मेरी पत्नी के विदेशी बैंकों में खाते होने के सुब्रमण्यम स्वामी के आरोप निराधार और हास्यास्पद हैं। मैं इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करता हूं। इस वक्त उनके द्वारा यह बयान दिया जाना भाजपा के नेतृत्व की हताशा को व्यक्त करता है। इससे यह समझा जा सकता है कि अमृतसर में पार्टी के प्रत्याशी अरुण जेटली बुरी तरह से हारने वाले हैं।
- **अमरिंदर सिंह**, पंजाब के पूर्व सीएम

जनता वोट से देगी महंगाई-भ्रष्टाचार का जवाब

लोग यूपीए सरकार की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त हो चुके हैं। जनता अपने वोट के जरिए भ्रष्टाचार और महंगाई का करारा जवाब देगी। यूपीए सरकार धरती (राष्ट्रमंडल), आकाश (टूजी) और पाताल (कोयला) हर जगह भ्रष्टाचार में लिप्त रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां इसने भ्रष्टाचार को बढ़ावा न दिया हो। केंद्र की गलत नीतियों के चलते ही महंगाई बढ़ी।
-**सुषमा स्वराज**, वरिष्ठ भाजपा नेता

लोकसभा चुनाव 2014 : राज्यवार मतदाताओं की संख्या

तमिलनाडु	5,37,52,682	मतदाता
कर्नाटक	4,46,94,658	मतदाता
केरल	2,37,92,270	मतदाता
हरियाणा	1,55,94,427	मतदाता
झारखंड	1,99,48,683	मतदाता

राजधानी में आखिर तक नहीं खुले पत्ते

सातों सीटों पर किसी भी करवट बैठ सकता है ऊंट, मतदान आज

राकेश भट्ट

- भाजपा, कांग्रेस व आप को अब उनके समर्थक वोटों के ध्रुवीकरण न होने पर ही राहत की उम्मीद
- केजरीवाल ने थप्पड़ मारने वाले के घर पहुंचकर आम आदमी को अपने पक्ष में मोड़ने का चला दांव

नई दिल्ली। दिल्ली की सातों सीटों पर वोटरों की चुप्पी से अब मतदान के दिन प्रत्याशियों को अपने परंपरागत वोटरों व नेता के दम पर ही राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में कोई प्रत्याशी पूरी तरह से अपनी निजी छवि के चलते वोट पाने की स्थिति में इस बार नहीं दिख रहा है, इसके चलते केजरीवाल के थप्पड़ मारने वाले लाली के घर पहुंचने सहित आप ने - आप ने समर्थक वोटरों के समूहों को लुभाने के प्रयास दलों की तरफ से होते रहे। भाजपा को मोदी लहर, कांग्रेस को मुस्लिम व अन्य परंपरागत वोटर तथा आम आदमी पार्टी को भी आम आदमी का बड़ा सहारा 10 अप्रैल के मतदान में मिलने की आस है। ऐसे में राजनैतिक दलों को यह भी डर है कि उनके वोट बैंक का ध्रुवीकरण उन्हें बड़ी चोट पहुंचा सकता है। जानकार तीनों दलों में कांटे की टक्कर मानकर भले ही सभी को सीटें बांटते दिखें, लेकिन वोटरों के पत्ते न खोलने पर साफ दिख रहा है कि ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है।

दिल्ली लाइव

चांदनी चौक

मुकाबला त्रिकोणीय मुस्लिम मतों पर नजर

कपिल सिब्बल

डॉ. हर्षवर्धन

आशुतोष

यहां मौजूदा कांग्रेसी सांसद कपिल सिब्बल, भाजपा के दिग्गज नेता डॉ. हर्षवर्धन व आप पार्टी के पत्रकार से नेता बने आशुतोष के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है। तीनों दलों के दमदार उम्मीदवार होने और यहां पर निर्णायक माने जाने वाले मुस्लिम, वैश्य व पंजाबी मतों के ध्रुवीकरण से परिणाम किसी के भी पक्ष में जा सकता है।

पूर्वी दिल्ली

मोदी चाहिए पर मतों के ध्रुवीकरण से फंसा पेंच

संदीप दीक्षित

महेश गिरी

राजमोहन गांधी

पूर्वी दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल व प्रवासी लोगों के बीच मोदी को मौका देने की बात तो की जा रही है, लेकिन आप के उम्मीदवार के रूप में महात्मा गांधी के पोते राजमोहन गांधी, आर्ट ऑफ लिविंग के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ प्रचार में जुटे भाजपा के महेश गिरी और कांग्रेस के संदीप दीक्षित के बीच मुस्लिम, झुग्गी बस्तियों व अन्य जातियों के वोटों का ध्रुवीकरण यहां भी दिख रहा है।

नई दिल्ली

हाई प्रोफाइल सीट पर मतदाता खामोश

अजय माकन

मीनाक्षी लेखी

आशीष खेतान

संसद सहित सांसदों के आवास वाले क्षेत्र की इस सीट से दस सालों से कांग्रेस सांसद अजय माकन के सामने भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी और आप पार्टी ने खोजी पत्रकार आशीष खेतान को मैदान में उतारा हैं, लेकिन यहां का मतदाता पूरी तरह से खामोश है। सरकारी कर्मचारी व पंजाबी मतदाता पर प्रत्याशियों का भाग्य तय है। यहां विधानसभा चुनाव में दस में से सात सीटें आप पार्टी के खाते में गई थीं।

उत्तर पूर्वी दिल्ली

जेपी की प्रतिष्ठा दांव पर तिवारी दे रहे टक्कर

जेपी अग्रवाल

मनोज तिवारी

प्रो. आनंद कुमार

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व उत्तर पूर्वी सीट से सांसद जेपी अग्रवाल पर फिर से कांग्रेस ने दांव खेला है। भाजपा ने गायक मनोज तिवारी को तो आप ने जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार को मैदान में उतारा है। जेपी का क्षेत्र में वजूद है तो मोदी फैक्टर और आप को विधानसभा चुनाव में मिले समर्थन से मुकाबला कड़ा हो गया है। यहां करीब 22 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं।

उत्तर पश्चिमी दिल्ली

दलित मतदाता यहां करेंगे बेड़ा पार

कृष्णा तीरथ

उदित राज

राखी बिड़लान

भाजपा ने दलित नेता और पूर्व आईआरएस अधिकारी उदित राज, आप ने दिल्ली सरकार की पूर्व मंत्री राखी बिड़लान को मैदान में उतारा है तो कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ पर फिर से दांव खेला है। करीब 22 फीसदी एससी व 20 फीसदी ओबीसी वोटरों पर हर किसी की नजर है। मुकाबला त्रिकोणीय और रोचक होगा।

दक्षिणी दिल्ली

वोट बंटने पर परिणाम कुछ भी हो सकता है

रमेश कुमार

रमेश बिधूड़ी

देवेंद्र सहरावत

जाट व गुर्जर मतदाता बहुल इस सीट पर कांग्रेस ने सांसद रमेश कुमार तो भाजपा ने तुगलकाबाद सीट से विधायक व गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। आप ने यहां से देवेंद्र सहरावत के रूप में जाट उम्मीदवार उतारा है। मतदाता यहां पर खामोश हैं। जाट-गुर्जर मतों का ध्रुवीकरण कोई भी परिणाम दे सकता है।

पश्चिमी दिल्ली

किसी का भी पलड़ा हो सकता है भारी

महाबल मिश्रा

प्रवेश वर्मा

जरनैल सिंह

भाजपा ने दक्षिण दिल्ली की महरौली सीट से विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को उम्मीदवार बनाकर जाट कार्ड खेला जबकि कांग्रेस ने सांसद महाबल मिश्रा व आप पार्टी ने सिख मतदाताओं की संख्या को देखते हुए पत्रकार जरनैल सिंह पर दांव खेला। यहां प्रवासी व पूर्वांचल वोटर काफी हैं।

चुनावी फसल

चौंकिए मत! यह किसी फिल्म की शूटिंग नहीं है। दरअसल, चुनावी मौसम में हर प्रत्याशी सियासी फसल काटने की तैयारी में है। ऐसे में मथुरा से भाजपा उम्मीदवार व अभिनेत्री हेमा मालिनी भी बुधवार को अपने चुनाव क्षेत्र में इस 'चुनावी फसल' को काटते हुए नजर आईं।

बिहार में गड़बड़ाया है भाजपा का वोट गणित

आशीष झा

पटना। बिहार में भाजपा-जदयू गंठबंधन टूटने से इन दोनों ही पार्टियों के वोटों का गणित गड़बड़ा गया है। हालांकि 17 साल पुराना गठबंधन टूटने के बाद भाजपा इस चुनाव में अपने दमखम पर जीत का दावा कर रही है। वैसे बिहार में उसके पास दो नए साथी हैं, लेकिन जदयू की भरपाई करने की क्षमता दोनों में से किसी में नहीं है। भाजपा को यह भी पता है कि जीत के लिए केवल उसका कैडर वोट काफी नहीं है।

नये हालात में भाजपा को जुटाने होंगे 12 से 15 फीसदी अतिरिक्त वोट

वैसे भी चुनाव में जाति समीकरण से अतिरिक्त वोट बढ़ सकता है। ऐसे में भाजपा को उस अतिरिक्त वोट का जुगाड़ खुद करना है। सवाल उठता है कि भाजपा आखिर उन अतिरिक्त वोटों का जुगाड़ कैसे करेगी। देखा जाये तो पिछली बार एनडीए को बिहार में 34 सीटें मिली थीं। उनमें 12 भाजपा को और 22 जदयू के खाते में गयी थीं। पिछले चुनाव में जहां जदयू को लगभग 22 फीसदी वोट मिले थे, वहीं भाजपा को 17 फीसदी वोट से संतोष करना पड़ा था। बिहार में जदयू का भाजपा से बड़ा जनाधार रहा है। माना जा रहा है कि अगर नीतीश 5 से 7 फीसदी वोट का जुगाड़ कर लेते हैं, तो परिणाम पिछली बार की तरह ही आ सकता है। इधर, भाजपा की मुश्किल जदयू से कहीं ज्यादा है। पिछली बार मिले 17 फीसदी वोट में से जदयू के 3 से पांच फीसदी वोट (अति पिछड़े और कुशवाहा) इस बार उसके साथ नहीं हैं। विभिन्न सर्वे में भाजपा को मिल रही सीटों को अगर देखा जाये तो 24 से 26 सीट बिहार में उसे मिल सकती हैं। इतनी सीटें लाने के लिए भाजपा को कम से कम 12 से 15 फीसदी अतिरिक्त वोट चाहिए।

शब्दों के तीर

बाबा रामदेव

अगर अखिलेश और मुलायम सिंह यादव जी अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाना चाहते हैं तो उन्हें आजम खां जैसे लोगों से छुटकारा पाना ही होगा।

श्रीश्री रविशंकर

मैं किसी भी राजनीतिक पार्टी या उसके उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार नहीं करता हूं। देश बदलाव मांग रहा है। आम लोगों को बदलाव और विकास के नाम पर मतदान करना चाहिए।

आज होगी बिहार के दिग्गजों की विरासत की अग्निपरीक्षा

मीरा, चिराग व निखिल की किस्मत ईवीएम में हो जाएगी कैद, सासाराम, काराकाट, औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई में होगा मतदान

विनोद अग्निहोत्री

मीरा कुमार

निखिल कुमार

चिराग पासवान

बिहार चुनाव

पटना। देश में लोकसभा चुनाव के तीसरे और बिहार में पहले चरण में आज आधा दर्जन सीटों के लिए होने वाला मतदान जहां नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के सियासी इम्तिहान का पहला पर्चा है, वहीं राज्य के तीन दिग्गज नेताओं की विरासतों की अग्निपरीक्षा भी है।

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार के सामने राष्ट्रीय दलित राजनीति में बड़े चेहरे अपने पिता बाबू जगजीवन राम की कर्मस्थली सासाराम में उनकी विरासत बचाए रखने की चुनौती है तो बिहार की दलित राजनीति के एक और बड़े नाम रामविलास पासवान के चिराग यानी उनके बेटे चिराग पासवान का जमुई लोकसभा क्षेत्र में पहला सियासी इम्तिहान है। जबकि बिहार की राजनीति के एक शिखर रहे पूर्व मुख्यमंत्री सत्येंद्र नारायण सिंह छोटे साहब के बेटे पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार अपने पिता और महात्मा गांधी को चंपारण ले जाने वाले दादा अनुग्रह नारायण सिंह की विरासत के नाम पर औरंगाबाद में कांग्रेस का झंडा गाड़ने के लिए गांव-गांव घूम रहे हैं।

बिहार में सबसे पहले जिन छह सीटों में मतदान होने जा रहा है, उनमें सासाराम, काराकाट, औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई हैं। सासाराम, गया और जमुई अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं, बाकी तीनों सीटें सामान्य हैं। सासाराम से लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार कांग्रेस उम्मीदवार हैं जो लगातार तीसरी बार यहां से मैदान में हैं। 2004 और 2009 में उन्होंने जीत हासिल की है। इस बार उनका मुकाबला भाजपा के छेदी पासवान और जद(यू) के केपी रमैया से है। छेदी पासवान को भाजपा समर्थक और कार्यकर्ता हजम तो नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन उन्हें नेतृत्व ने समझाया है कि छेदी पासवान मजबूरी है, नरेंद्र मोदी जरूरी है। इसलिए वह छेदी के लिए नहीं, मोदी के लिए वोट मांग रहे हैं।

दूसरी अहम सीट है जमुई। यहां से लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान बिहार की दलित राजनीति में अपने बेटे चिराग को रोशन करने के लिए उन्हें भाजपा के समर्थन से लोकसभा भिजवाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पूरा पासवान परिवार यहां डेरा डाले है। युवा चिराग, उनकी साफ सुथरी छवि और फिल्मी कैरियर लोगों को लुभा रहा है। चिराग पहली बार चुनाव मैदान में उतरे हैं। उनके मुकाबले जद(यू) ने अपने दिग्गज विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी को उतारा है। राजद के सुधांशु शेखर भास्कर भी मैदान में हैं और मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं।

तीसरी सीट है औरंगाबाद, जहां से पूर्व राज्यपाल, पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निखिल कुमार एक बार फिर कांग्रेस उम्मीदवार हैं। पिता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सत्येंद्र नारायण सिंह की विरासत, राजद के समर्थन की ताकत और साफ सुथरी छवि उन्हें इस बार मैदान मारने लायक बना रही है। सजातीय राजपूत वोटों में निखिल जितनी भी सेंधमारी करेंगे उनकी कामयाबी की संभावना बढ़ जाएगी।

हॉट ट्वीट

- कारगिल को हमारे बहादुर सैनिकों ने जीता था, जिन्होंने हर भारतीय के लिए लड़ाई लड़ी। सपा और उसके नेताओं का आर्मी के लोगों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना बेहद शर्मनाक है। -अनुराग ठाकुर
- मोदी जी की सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। अजीब है कि लोगों के पैसे का इस तरह से इस्तेमाल हो रहा है। - कमाल खान
- जब हम जेल गए तो सब कह रहे थे कि लालू अब गया। लेकिन लालू कहां गया वह तो फिर आ गया। -**लालू प्रसाद** यादव
- एक शाही दुकान है और दूसरा वोट बैंक-ए-आजम। देश इससे बेहतर का हकदार है। -गौरव सावंत
- एक और राजनीतिक मूर्ख जिसने राजनीति में धर्म का इस्तेमाल किया। -श्रुति सेठ

भाजपा-कांग्रेस के बीच है सीधी टक्कर

जयप्रकाश पाराशर

भोपाल। जब देश में तीसरे दौर का मतदान 10 अप्रैल को होगा, तब मध्य प्रदेश की 29 में से नौ सीटों पर लोग अपनी राय इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में कैद कर देंगे। कांग्रेस के दिग्गज कमलनाथ, अजय सिंह, प्रसिद्ध वकील विवेक तनखा, रीवा के शेर कहे जाने वाले श्रीनिवास तिवारी के बेटे सुंदरलाल तिवारी, गौंड राजपरिवार की राजनंदिनी सिंह और कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता इंद्रजीत पटेल जैसे नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला इस चरण के मतदान से होगा।

मध्य प्रदेश लाइव

सतना

अजय सिंह

सीधी से टिकट नहीं मिलने के बाद अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह सतना से कांग्रेस की जंग लड़ रहे हैं। उनके मुकाबले भाजपा के गणेश सिंह हैं। गणेश सिंह के खनन क्षेत्र में आधिपत्य के बारे में अजय सिंह कहते हैं कि सतना में गणेश सिंह वैसे ही हैं, जैसे बेल्लारी में रेड्डी बंधु। दूसरी तरफ अजय सिंह प्रदेश में तीसरे सबसे अमीर उम्मीदवार हैं।

जबलपुर

विवेक तनखा

जब हवा कांग्रेस के खिलाफ बह रही है, शिवराज सिंह से करीबी संबंध रखने वाले वकील विवेक तनखा कांग्रेस के टिकट पर खड़े हो गए हैं। 2009 में भाजपा के राकेश सिंह ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वकील रामेश्वर नीखरा को एक लाख वोटों से भी ज्यादा अंतर से हराया था। जबलपुर में भाजपा के राकेश सिंह फिर मुकाबले में हैं।

रीवा

ब्राह्मण बहुल रीवा संसदीय क्षेत्र में कभी भाजपा को उम्मीदवार नहीं मिलते थे। कांग्रेस के श्रीनिवास तिवारी का बड़ा दबदबा रहता था। अब श्रीनिवास तिवारी के बेटे सुंदरलाल तिवारी का मुकाबला भाजपा के आठ साल से जिलाध्यक्ष का काम देख रहे जनार्दन मिश्र से है। सुंदरलाल तिवारी 2009 में बसपा के देवराज सिंह पटेल से केवल 4 हजार मतों के अंतर से हार गए थे।

सीधी

भाजपा की नौजवान नेता रीति पाठक का मुकाबला कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता इंद्रजीत पटेल से है। रीति पाठक को कागज पर कमजोर उम्मीदवार माना जा रहा था, लेकिन मैदान में वह मजबूत हैं। उनसे किसी को कोई नाराजगी नहीं है। वह ठाकुर और दलितों के वोट खींचने में सफल रहती हैं तो भाजपा आसानी से सीट जीत जाएगी। भाजपा 1998 से लगातार यह सीट जीतती आ रही है।

शहडोल

जनजाति के लिए सुरक्षित सीट से भाजपा ने गौंड राजपरिवार की राजेशनंदिनी सिंह को मैदान में उतारा है। उनके मुकाबले कांग्रेस के दलपत सिंह परस्ते हैं। यह भारतीय लोकतंत्र में ही होता है कि राजपरिवार के पूरे तामझाम के मुकाबले ठेठ समाजवादी नेता रफ-टफ अंदाज में संघर्ष कर रहा है। भाजपा अपने खेमे में कांग्रेस नेता संजय पाठक को ले आई है।

होशंगाबाद

दोनों ही उम्मीदवार कई बार दलबदल कर चुके हैं। भाजपा ने उदय प्रताप सिंह को उतारा है। जाट नेता उदय प्रताप विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भाजपा में आए हैं। उनके मुकाबले कांग्रेस ने देवेंद्र पटेल को मैदान में उतारा है। उदय प्रताप को अंतिम क्षणों में टिकट देने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल थोड़ा कमजोर है। आप की माया विश्वकर्मा भी हैं।

बालाघाट

नरेंद्र मोदी का प्रचार तंत्र यदि कहीं बेअसर दिखाई देता है तो बालाघाट चले जाइए। फिर भी 2009 में भाजपा के केडी देशमुख ने कांग्रेस के विश्वेश्वर भगत को 40 हजार मतों से हराया था। कांग्रेस ने 29 साल की हिना कावरे को मैदान में उतारा है। हिना, कांग्रेस नेता लखीराम कावरे की बेटी हैं। भाजपा ने उनके मुकाबले बोधसिंह भगत को उतारा है।

मंडला

फग्गनसिंह

भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है। भाजपा ने मंडला से चार बार सांसद रहे फग्गनसिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा है। दूसरी तरफ राहुल गांधी के 'आदिवासी नेतृत्व की संभावना' ओंकार सिंह मरकाम हैं, जो होने को तो डिंडोरी के विधायक हैं, लेकिन दिल्ली में गहरी पैठ रखते हैं। राहुल गांधी जब बैगाओं के बीच आए तो ओंकार गोंडी में भाषण देकर दिल्ली तक आ गए।

छिंदवाड़ा

कमलनाथ

कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ नौ चुनाव लड़े और आठ जीते हैं। उन्होंने 2009 में भाजपा मारुत राव खावसे को 1.21 लाख वोटों से हराया था। लेकिन विधानसभा चुनावों में इस लोकसभा के तहत आने वाली सात में से चार सीटें भाजपा ने जीती हैं। संघर्ष कड़ा है। उनके मुकाबले भाजपा ने विधायक चौधरी चंद्रभान सिंह को उतारा है।